Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ मासिक शिवरात्रि शिव पूजा विधि ॥

॥ हर हर महादेव ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजन की तैयारी ॥

१. तिथि और संकल्प

कृष्ण चतुर्दशी और निशीथ पूजा का समय स्थानीय पंचांग से देखें। स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनें और अपनी क्षमता के अनुसार शिव पूजा तथा व्रत का संकल्प लें। घर में एक दिन का सरल पूजन भी कर सकते हैं।

२. सामग्री

शिवलिंग या भगवान शिव का चित्र, स्वच्छ जल, पात्र, बिल्वपत्र यदि उपलब्ध हों, फूल, चंदन, अक्षत, धूप, दीप, फल और सात्त्विक नैवेद्य रखें। पूजा स्थान साफ और दीप के लिए सुरक्षित रखें।

३. आरंभ

पहले गणेशजी का स्मरण करें। शिवलिंग हो तो स्वच्छ जल से सावधानीपूर्वक अभिषेक करें; चित्र के सामने जल प्रतीक रूप में रखें और उस पर सीधे न डालें। मन में सबके कल्याण की प्रार्थना करें।

दूध या अन्य द्रव से अभिषेक घर की परंपरा के अनुसार वैकल्पिक है। अधिक मात्रा का अपव्यय न करें; पात्र और आसपास की जगह साफ रखें।

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ रात का पूजन और आरती ॥

४. अर्पण और जप

शिवलिंग या चित्र के सामने बिल्वपत्र, फूल, चंदन और उपलब्ध नैवेद्य अर्पित करें। “ॐ नमः शिवाय” का जप करें। दीप दिखाकर शिव आरती करें और प्रसाद बाँटें।

५. निशीथ और जागरण

रात के मध्य भाग में पूजन की विशेष परंपरा है। समय और स्वास्थ्य के अनुसार कुछ देर शांत ध्यान या भजन करें। चार प्रहर की विस्तृत पूजा मुख्यतः महाशिवरात्रि में अधिक प्रचलित है; हर मास उसे करना अनिवार्य न मानें।

६. पूजा का समापन

शिव को प्रणाम करके परिवार और समुदाय के मंगल की प्रार्थना करें। दीप बुझाने या सुरक्षित रखने की व्यवस्था करें। अगली सुबह पारण की रीति अपनाएँ; तिथि का समय स्थानीय पंचांग से जाँचें।

जल अर्पण के लिए खुले स्थान पर फिसलन न होने दें। बच्चों को दीप और धूप से दूर रखें।

॥ हर हर महादेव ॥

Hargharpandit ji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"